औंटा-सिमरिया पुल से भारी वाहनों के परिचालन शुरू, उत्तर-दक्षिण बिहार की दूरी 100 किलोमीटर कम हुई

अब पटना से बेगूसराय@2 घंटा

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। गंगा नदी पर बने पहले छह लेन पुल औंटा-सिमरिया से पटना से बेगूसराय जाने में अब मात्र दो घंटे लगेगा। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस पुल को आम लोगों को आधिकारिक रूप से समर्पित किया। आम तौर पर छह लेन पुल की चौड़ाई 29.5 मीटर है, लेकिन औंटा-सिमरिया पुल की चौड़ाई 34 मीटर है। देश के सबसे चौड़े इस पुल पर अधिक संख्या में वाहन आ-जा सकेंगे।

18 पिलरों पर टिका यह एक्सपेंशन केबल ब्रिज है। ऐसे में इस पुल के नीचे से मालवाहक जहाजों का परिचालन भी आसानी से हो सकेगा। दोनों ओर 3-3 लेन की सड़क है। औंटा की ओर 100 मीटर चौड़ा रोटरी (जीरो माइल) तथा सिमरिया की ओर 80 मीटर चौड़ा रोटरी बनाकर उसे पार्क का स्वरूप दिया गया है। पार्कों और पुल के आसपास पौधरोपण किया गया है।

एक्सपेंशन केबल ब्रिज तकनीक से बना है पुल

1871 करोड़ इस पुल परियोजना की लागत

2017 में पीएम ने शिलान्यास किया था

18 पिलरों पर टिका है पुल, जहाज का परिचालन आसान

34 मीटर का यह पुल देश का सबसे चौड़ा

- 1.865 किलोमीटर नदी पर बना है छह लेन पुल
- 8.150 किलोमीटर एप्रोच सहित पुल की लंबाई
- लगभग आठ वर्षों में बनकर तैयार हुआ यह पुल

सिमरिया धाम को बेहतर संपर्कता प्रदान करेगा

यह पुल प्रसिद्ध तीर्थ स्थल सिमरिया धाम, जो प्रसिद्ध कवि रामधारी सिंह दिनकर का जन्मस्थान भी है, उसे बेहतर संपर्क प्रदान करेगा। उत्तर और दक्षिण बिहार की दूरी 100 किमी कम होगी। भारी वाहनों के परिचालन शुरू होने से लोगों को आवश्यक सामान कम कीमतों पर मिल सकेंगे।

औंटा के पास बनी रोटरी।

औंटा-सिमरिया पुल का शुक्रवार को आधिकारिक रूप से शुरुआत हो गई।